महत्वपूर्ण एवं खास

शास.प्राथमिक शाला अमोदा के सहायक शिक्षक गेंदराम पटेल निलंबित

रायगढ़ । जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य ने अमोदा के सहायक शिक्षक एलबी गेंदराम पटेल को विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ अमर्यादित व्यवहार करने एवं अध्यापन में रूचि नहीं रखने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। ज्ञात हो कि शासकीय प्राथमिक शाला अमोदा, विकासखण्ड बरमकेला में पदस्थ सहायक शिक्षक एल.बी.श्री गेंदराम पटेल के विरूद्ध विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ अमर्यादित व्यवहार करने, अध्ययन-अध्यापन के प्रति रूचि नहीं रखने संबंधी सरपंच ग्राम पंचायत अमोदा एवं पालकगणों द्वारा की गई शिकायत एवं जनाक्रोश को ध्यान में रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी आदित्य ने सहायक शिक्षक एलबी गेंदराम पटेल को कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बरमकेला निर्धारित किया गया है।

समस्त प्राचार्यों एवं बीईओ की समीक्षा बैठक 29 सितम्बर एवं 1 अक्टूबर को

रायगढ़ । जिले के सभी प्राचार्यों एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की विभागीय समीक्षा बैठक 29 सितम्बर एवं 01 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11 बजे से आयोजित की जाएगी। जिसके तहत 29 सितम्बर 2021 को धरमजयगढ़, लैलूंगा, घरघोड़ा एवं तमनार विकासखण्ड की बैठक सेंट आन्स पब्लिक स्कूल घरघोड़ा में तथा 01 अक्टूबर 2021 को रायगढ़, खरसिया, पुसौर, सारंगढ़ एवं बरमकेला विकासखण्ड की बैठक सृजन सभाकक्ष, कलेक्टोरेट परिसर रायगढ़ में आयोजित की जाएगी।

वैक्सीन लगवाने के बाद युवक ने किया नशा का सेवन,मौत

जांजगीर-चांपा (आरएनएस)। जिले के पामगढ़ में आज सुबह वैक्सीन लगने के कुछ दिन बाद एक युवक की मौत हो गई उसे उपचार के लिए पामगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूछताछ में पता चला की मृतक गांजा पीने का आदि था, वैक्सीन लगने के बाद भी उसने गांजा पीना नहीं छोड़ा था। डॉक्टर ने प्रारंभिक परीक्षण के उपरांत बताया कि मृतक नशे का आदी था लंबे समय से वह गांजा का सेवन करता था वैक्सीन लगने के बाद भी वह गांजा का सेवन कर रहा था जिसकी वजह से यह घटना घटी है। मदनपुर निवासी मृतक बृजलाल सिंह क्षत्री उम्र 42 वर्ष की पत्नी लताबाई क्षत्री ने बताया कि शुक्रवार को उन्होंने पामगढ़ के वैक्सीन सेंटर में टीका लगवाया था जिसके बाद उसे बुखार आना शुरू हुआ आज सुबह 5:00 बजे दस्त और उल्टियां होने लगी। उन्होंने गंभीर स्थिति को देखते हुए ट्रैक्टर से उसे पामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लैलूंगा के बहुचर्चित मर्डर मिस्ट्री का खुलासा: चोरी की नियत से मित्तल निवास में घुसकर हत्या को दिये थे अंजाम

» स्थानीय 06 लड़कें घटना में थे शामिल, विधि के साथ संघर्षरत 04 बालक और 01 आरोपी युवक पुलिस की गिरफ्त में

» आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आरीपत्ती (ब्लेड), नकदी रकम करीब 80,000 रूपये, आरोपियों के कपड़े जप्त

रायगढ़ (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जिले के थाना लैलूंगा क्षेत्र अन्तर्गत 22 एवं 23 सितम्बर की मध्य रात्रिन पत्थलगांव रोड़ में निवासरत एलडरमेन एवं व्यववासी मदन मित्तल एवं उनकी पत्नी अंजू मित्तल की निर्मम हत्या की गुत्थी को रायगढ़ पुलिस द्वारा पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर, रेंज बिलासपुर रतनलाल डांगी एवं पुलिस अधीक्षक रायगढ़ अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन पर घटना के तीनों दिनों बाद सुलझा लिया गया है । घटना को अंजाम देने वाले विधि के साथ संघर्षरत 04 बालक व 01 बालिग आरोपी अक्षय प्रधान को रिमांड पर भेजा जा रहा है, घटना को कुल 06 लोगों द्वारा मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया गया है । इनसे चोरी में प्राप्त नकदी से खर्च के बाद शेष करीब 80,000 रूपये नकद बरामद किया गया है, इनका एक साथी अभी भी फरार है, जिसके पास से मित्तल दम्पत्ति के मकान से चोरी हुआ बैग व कुछ और नकदी बरामद होने की सम्भावना है, फरार आरोपी की सघन पतासाजी में पुलिस की विशेष टीम लगी हुई है ।

ज्ञात हो कि दिनांक 22 एवं 23 अक्टूबर के दरम्यिानी रात अज्ञात आरोपियों द्वारा चोरी की नियत से लैलूंगा निवासी मदन मित्तल के घर के पीछे का दरवाजा के ऊपर रोशनदान के जाली को काट कर घर अंदर घुसकर मदन कुमार अग्रवाल (55 वर्ष) एवं उनकी पत्नी अंजूदेवी अग्रवाल (54 वर्ष) का गला दबाकर हत्या कर चोरी किये जाने की घटना सामने आई थी, घटना की रिपोर्ट मृतक के परिचित प्रदीप कुमार अग्रवाल (49 साल) निवासी लैलूंगा द्वारा दर्ज कराया जिस पर

दिनांक 23/09/2021 को अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अप.क्र. 279/2021 धारा 457,380,302 दर्ज पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

जांच टीम को विधि के साथ संघर्षरत बालकों व आरोपी युवक अपने मेमोरेंडम कथन में कि 22 सितंबर के दोपहर गांव में संदीप उर्फ कोंदा, अक्षय प्रधान उर्फमुंडू और 04 नाबालिग बालक रात को लैलूंगा जाकर चोरी करने का प्लान बनाये । आरोपी अक्षय प्रधान बनाया कि सभी अक्सर एक साथ बैठकर गुटखा पाऊच खाते थे, लैलूंगा में सरस्वती मंदिर के पीछे कई बार इकट्ठे होकर गुटखा, पाऊच खाये, आरोपी बताया कि चोरी के प्लान के अनुसार तीन लड़के (सभी नाबालिग) एक साथ तथा तीन लड़के जिसमें अक्षय प्रधान, संदीप उर्फ कोंदा व एक बालक एक साथ लैलूंगा पहुचेंगे और रात में अपने पुराने मिलने के ठिकाने सरस्वती मंदिर के पीछे मिलेंगे । आरोपियों के प्लान के अनुसार तीन लड़के जो पहले लैलूंगा पहुंचे थे सांई पेट्रोल पम्प के पास चखना दुकान में चोरी किये और वहां से गुटखा, सिगरेट, कोल्ड आदि लेकर सरस्वती मंदिर के पीछे पहुंचे, जहां इन्हें उनके तीन और साथी अक्षय प्रधान, संदीप उर्फकोंदा व एक बालक मिला । सभी लड़के क्षेत्र को अच्छी तरह से जानते थे, वे आसपास मकानों को झांके और निर्माणाधीन मकान के पास वाले मकान (मदन मित्तल का मकान) में बांस के सहारे ऊपर रोशनदान तक दो लड़के रोशनदान तक पहुंचे । आरीपत्ती (ब्लेड) से रोशनदान को काटकर दो लड़के अंदर घुसे और दरवाजा खोले, तब उनके बाकी साथी भी अंदर प्रवेश किये । एक कमरे की लाइट जल रही थी और एक कमरे के पलंग में एक महिला और पुरूष सोये थे । आलमारी खोलकर बैग निकाले इतने में सोय व्यक्ति जाग गया तो 06 लड़के महिला का तकिया से व पुरूष का गला दबाकर हत्या कर दिये । घटना के बाद बैग में रखे रूपये लेकर दरवाजे के रास्ते भाग निकले । जाते समय रास्ते में पहले एक स्थान पर सभी रूके । बैग को संदीप उर्फकोंदा पकड़ा था । संदीप अपने साथियों को क्रमशः 20 हजार, 19 हजार, 18 हजार, 14 हजार एवं एक को 09 हजार रूपये बांटा और बाकी रूपये बैग सहित अपने पास रखकर बांकी रूपये बाद में बंटवारा कर लेंगे अभी कुछ दिन अलग-अलग जगह छिपे रहो कहकर वहां से निकला । तब सभी अपने घर पहुंचे और घर में बहानेबाजी कर इधर-उधर फरार हो गये । पुलिस टीम के हाथ आये 04 विधि संघर्षरत बालक एंव आरोपी युवक अक्षय प्रधान बताये कि बटवारे रूपये से कपड़े, चप्पल खरीदे हैं, पुलिस टीम द्वारा इनसे खर्च के बाद बचे हुये नकदी 80,000 रूपये, घटना में प्रयुक्त आरीपत्ती (ब्लेड), घटना समय पहने कपड़े बरामद किया गया है । फरार आरोपी के पास बैग व कुछ नकदी होना इनके द्वारा बताया गया है । विधिसंघर्षरत बालक व आरोपी अक्षय प्रधान उर्फमुंडू पिता राम कुमार प्रधान उम्र 23 वर्ष निवासी थानाक्षेत्र लैलूंगा को हत्या सहित नकबजनी के अप.क्र. 279/2021 धारा 457, 380,302 आईपीसी एवं नकबजनी अप.क्र. 281/2021 धारा 457,380 आईपीसी में सक्षम न्यायालय पेश किया जा रहा है । फरार आरोपी की सरगर्मी से पतासाजी जारी है, जिसके शीघ्र हिरासत में लिये जाने की सम्भावना है । अपचारीगण में कुछेक के पूर्व में मोबाईल व क्षेत्र में छोटी-बड़ी चोरियों का रिकार्ड है, जिनके पूर्व आपराधिक रिकार्ड खंगाले जा रहे हैं।

होटल इंडस्ट्रीज के लिए उत्पाद बनाएंगी महिला समूह

» कलेक्टर भीम सिंह की पहल से होटलों से टाइअप की दिशा में शुरू हुआ काम

रायगढ़ । समूहों के आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों को एक नया आयाम मिलने जा रहा है। कलेक्टर भीम सिंह की पहल पर अब महिला स्व-सहायता समूह रायगढ़ के होटल इंडस्ट्रीज में उपयोग होने वाले उत्पाद बनाकर सप्लाई करने जा रहे है। इसके लिए कलेक्टर भीम सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में शहर के सभी होटल संचालकों व प्रबंधकों की बैठक ली।

कलेक्टर सिंह ने बताया कि महिला समूहों द्वारा उच्च गुणवत्ता के उत्पाद तैयार किए जा रहे है। जिनमें से कई उत्पाद होटल इंडस्ट्रीज व हॉस्पिटलिटी सेक्टर में

उपयोग किए जाने वाले है। उन्होंने कहा कि होटलों की जरूरत के मुताबिक साबुन, शैम्पू, कस्टमाईज पैकेजिंग के साथ तैयार किए जा सकते हैं। इसके साथ ही वहां साफ-सफाई के लिए जरूरी फिनाईल झाड़ू, डिटर्जेन्ट जैसे उत्पादों की सप्लाई भी समूहों द्वारा की जा सकती है। होटल संचालकों ने महिला समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को अपने होटलों में इस्तेमाल पर रूचि दिखाते हुए सहमति जतायी। कलेक्टर सिंह ने कहा कि इसके अलावा महिला समूहों द्वारा होटलों में गार्डनिंग के लिए गमले व फ्लावर पॉट भी तैयार कर उपलब्ध करा सकते है। उन्होंने होटल संचालकों को अपने होटलों में आवश्यक अन्य सामग्रियों की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा है जिसके आधार पर महिला समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों के लिए लिकेज किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे महिला समूहों का आजीविका संवर्धन तो होगा ही स्थानीय स्तर पर भी हास्पिटेलिटी सेक्टर के लिए आवश्यक उत्पादों को तैयार करने की संभावनाएं बढ़ेगी। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल, सहायक कलेक्टर प्रतीक जैन, शहर के सभी होटलों के संचालक व प्रबंधक मौजूद रहे।

रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने हुई चर्चा- कलेक्टर सिंह ने होटल संचालकों से विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर स्थानीय स्तर पर आने वाले टूरिस्टों के बीच ग्रामीण जनजीवन व संस्कृति संबंधी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न उद्योग संचालित है। जिससे जुड़े कार्यों के लिए देश-विदेश से लोग रायगढ़ पहुंचते है। जिले में विभिन्न प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थान है जहां पर्यटन संबंधी गतिविधियों के लिए अच्छी संभावनाएं मौजूद है। उन्होंने होटलों से टाईअप कर ऐसे टूरिस्ट सर्किट बनाने की बात कही जहां एक दिन का टूर प्लान कर बाहर से आने वाले पर्यटकों को इन स्थानों के साथ ग्रामीण संस्कृति से परिचित कराती स्थानों का भी भ्रमण करवाया जा सकता है। जहां वे ग्रामीण जनजीवन को करीब से देखकर उसके बारे में और जानकारी ले सकते है। इस दौरान उन्हें ग्रामीण खान-पान व पकवानों का स्वाद लेने का मौका भी मिलेगा। इसके लिए उन्होंने सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

झगरपुर लैलूंगा की बालिकाओं का 21वीं संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में हुआ चयन

रायगढ़ । कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं कन्या छात्रावास झगरपुर लैलूंगा रायगढ़ की बालिकाओं का 21वी संभागीय स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता हेतु चयन हुआ है। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में खेल विधा टेनिस बाल क्रिकेट अंडर-19 बालिका हेतु मुस्कान टोप्पो, दीपिका सिदार, पूजा भोय, रेशमा तिर्की, रीना सिदार, मोनिका खेस्स, संजना चौहान, अंजू केरकेट्टा, शिवानी नाग, अनुरंजन टोप्पो, उषाकिरण मिंज एवं टेनिस बॉल क्रिकेट अंडर-14 बालिका हेतु अनीता कोरवा, रीना लकड़ा, नंदनी यादव, राजकुमारी राऊत, पुनीता पैकरा, शिवानी साहू, संजना मिंज, रोशनी भगत, भारती यादव व रूपा भगत का चयन हुआ है। वहीं कन्या छात्रावास झगरपुर लैलूंगा रायगढ़ की ही बालिकाओं का 21 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता हेतु खेल विधा खो-खो अंडर-19 हेतु चयन हुआ है। जिनमें सुषमा खेस्स, रिबिका बडा तथा अंडर-17 में रीना खलखो, तुलसी यादव, देवेश्वरी राठिया, प्रियंका लकडा, रेशमा पैकरा, शबनम एक्का तथा स्टैंड बाय मे ममता राठिया के नाम शामिल हैं। संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाली बालिकाएं 28 सितंबर 2021 को पीटीआई वृन्दावती सिदार के साथ कोरबा प्रस्थान करेंगी।

विभागीय समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत परिपालन सुनिश्चित हो -डीईओ आदित्य

» अब तक कोविड टीकाकरण नहीं कराए शिक्षकों को प्रत्येक सोमवार को अपनी आरटीपीसीआर टेस्ट रिपोर्ट के साथ विद्यालय में उपस्थिति देनी होगी

रायगढ़ । गत दिवस एस.सी.ई.आर.टी.रायपुर में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें रायगढ़ जिले से डीईओ आर.पी.आदित्य व डीएमसी रमेश देवांगन सम्मिलित हुए। उक्त समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों में बेसलाइन आंकलन की दोबारा परीक्षा 25 से 29 सितंबर तक संपन्न करने एवं निर्देशानुसार संकुल प्राचार्य को टाइम लाइन के अनुसार मूल्यांकन एवं प्रविष्टि के कार्य संपन्न करने, शैक्षिक मॉनिटरिंग अंतर्गत जिला एवं विकास खंड स्तर के समस्त अधिकारियों के द्वारा माह में कम से कम 20 स्कूलों एवं संकुल स्तर के अधिकारी द्वारा प्रत्येक स्कूल को माह में दो बार निरीक्षण करने, स्टूडेंट पोर्टल में सभी अध्ययनरत बच्चों की प्रविष्टि करने, शिक्षकों की जानकारी संबंधी निर्धारित पोर्टल में शत-प्रतिशत शिक्षक संवर्ग की प्रविष्टि व नवनियुक्त शिक्षकों की प्रविष्टि तथा शिक्षकों का पंजीयन सुनिश्चित करने, पढ़ई तुंहर दुआर 2.0 के तहत सभी कार्यक्रमों का टाइम लाइन के अनुसार स्कूल, संकुल, विकासखंड, जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन कर निर्धारित पोर्टल में प्रविष्टि करने, 12 नवंबर 2021 को आयोजित होने वाली कक्षा 3, 5, 8 और 10 वीं की एनएएस परीक्षा का आयोजन व तैयारी सुनिश्चित करने, निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दीक्षा एप ऑनलाइन माड्यूल का अध्ययन तथा नई शिक्षा नीति के तहत सभी शिक्षकों को प्रतिवर्ष क्षमता संवर्धन के लिए 50 घंटे का ऑनलाइन कोर्स करने की अनिवार्यता, निष्ठा 3.0 के तहत प्राथमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक संवर्ग का पंजीयन 30 सितंबर 2021 तक सुनिश्चित करने, सभी स्कूल, संकुल, विकासखंड, जिला स्तर पर जीरो बचत खाता खोले जाने तथा विशेषकर कोविड टीकाकरण अंतर्गत जारी निर्देशानुसार शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत समस्त शिक्षक संवर्ग एवं गैर शिक्षक संवर्ग का टीकाकरण 15 अक्टूबर 2021 तक अनिवार्य है। यदि कोई शिक्षक किसी भी कारण से टीकाकरण कराना नहीं चाहता है तो उसे प्रत्येक सोमवार को अपनी आरटीपीसीआर टेस्ट की रिपोर्ट के साथ ही उपस्थित होने के निर्देश तथा टेस्ट रिपोर्ट ना लाने की स्थिति में उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर न करने देने के निर्देश, सभी स्कूलों में विज्ञान प्रयोग 1 अक्टूबर 2021 से समय सारणी एवं बैच अनुसार सुनिश्चित करना, रीडिंग स्किल एक्टिविटी अंतर्गत प्रत्येक स्कूलों में रीडिंग स्पीड बढ़ाने के लिए गतिविधियों का आयोजन, प्रौढ़ शिक्षा महाअभियान अंतर्गत दिनांक 30 सितंबर 2021 को परीक्षा का आयोजन एवं स्वामी आत्मानंद स्कूल के रिक्त सीट पर दिनांक 30 सितंबर तक प्रवेश देने सम्बन्धी निर्देश जारी किए गए हैं। विदित हो कि आगामी 29 सितंबर 2021 को 04 विकासखंड लैलूंगा, तमनार, घरघोड़ा एवं धरमजयगढ़ तथा 1 अक्टूबर 2021 को शेष 05 विकासखंडों रायगढ़, पुसौर, सारंगढ़, बरमकेला एवं खरसिया के संकुल प्राचार्यों की बैठक आहूत की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य ने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उक्त विभिन्न निर्देशों के शत-प्रतिशत परिपालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

शिक्षार्थियों का आकलन परीक्षा 30 सितम्बर को

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में प्रौढ़ शिक्षा अंतर्गत पढ़ना लिखना अभियान के तहत 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रौढ़ो को बुनियादी साक्षरता का अध्यापन स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से 1 जुलाई 2021 से सतत् जारी है। 120 घंटों की पढ़ाई के बाद इन शिक्षार्थियों का आकलन परीक्षा 30 सितम्बर 2021 को एनआईओएस द्वारा आयोजित की जाएगी। जिसकी पूर्व तैयारी हेतु समस्त 9 विकासखण्डों के नोडल अधिकारी एवं कुशल प्रशिक्षकों की बैठक आहूत की गई थी। राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त स्त्रोत व्यक्ति चंद्र प्रकाश पण्डा एव श्रीमती किरण मिश्रा द्वारा विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण बैठक में पूर्व से चिन्हांकित शिक्षार्थियों जिन्हें निरंतर स्वयं सेवी शिक्षकों द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा अनुसार अक्षरों का ज्ञान, पढ़ना-लिखना तथा नवीन गतिविधियों में जीवन यापन हेत रोजगार परख विषयों की चर्चा कर जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन शिक्षार्थियों हेतु आयोजित महापरीक्षा अभियान की रूपरेखा के तहत परीक्षा केन्द्र प्रभारी, परीक्षा केन्द्र तथा शिक्षार्थियों का पंजीयन के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा कर निर्देश देते हुए महापरीक्ष अभियान को सफल बनाने का आव्हान किया गया।

शासन की योजना से छायी बाड़ियों में हरियाली

» 6 करोड़ की 40 हजार क्विंटल सब्जियों का किया उत्पादन

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के किसानों को स्वावलंबी बनाने एवं गांवों की अर्थव्यवस्था सुधारने महत्वपूर्ण कार्य निरंतर किए जा रहे है। जिससे आजीविका मूलक कार्यो को ग्रामीण संसाधनों से जोड़कर पारम्परिक क्रियाकलापों को व्यावसायिक रूप दिया जा सके। इसी कड़ी में शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी के माध्यम से जिले में बाड़ी विकास पर कार्य किए जा रहे है। योजना के फलस्वरूप उद्यानिकी अंतर्गत सामूहिक बाड़ियों के साथ ही निजी बाड़ियों के रकबे में अतिरिक्त रकबे का विस्तार हुआ है। बाड़ियों के माध्यम से हितग्राहियों को लगभग 6 करोड़ के सब्जियों का उत्पादन किया है जिसके लाभ से हितग्राही आर्थिक रूप से सशक्त हुए है।

रायगढ़ जिले में इसका सकारात्मक बदलाव उद्यानिकी रकबे में विस्तार से लगाया जा सकता है। सहायक संचालक उद्यानिकी डॉ.दीवान ने बताया कि जिले में 9 हजार 563 बाड़ी विभाग तथा जिला खनिज न्यास निधि द्वारा 4 हजार 190 कुल 13 हजार 753 बाड़ियों का निर्माण कराया गया हैं। इन बाड़ियों के माध्यम से हितग्राहियों द्वारा 40 हजार क्विंटल साग-सब्जियों का उत्पादन किया गया। जिसकी 15 रूपए के औसत मूल्य पर 6 करोड़ रूपए होते है। बाड़ियों से हो रही अच्छी आय से ग्रामीणों में बाड़ियों के प्रति सकारात्मक रूचि दिखाई दे रही है। जिसके कारण आने वाले समय में बाड़ियो की रकबे में अतिरिक्त विस्तार की संभावनाएं बढ़ रही है।

पुसौर विकासखण्ड के ग्राम-गुड़गहन निवासी बोधराम गुप्ता पोषणबाड़ी के हितग्राही है। उन्होंने बताया कि बाड़ियों में उत्पादित सब्जियों को स्वयं का उपयोग के बाद अतिरिक्त उपज को स्थानीय बाजारों में बेचकर उन्होंने 8 से 10 हजार रुपये मासिक अतिरिक्त आय अर्जित किया। लैलूंगा विकासखण्ड के ग्राम-झरन निवासी कार्तिक पैंकरा एवं चिरू प्रसाद पैकरा ने बताया कि पोषण बाड़ी से उन्हें 5 से 6 हजार रुपये मासिक अतिरिक्त आय की प्राप्ति हुई है। जिससे उन्होंने अपने घरेलू उपयोग में खर्च किए, जिससे आर्थिक भार कम हुआ। हितग्राहियों के प्रोत्साहन में जिला प्रशासन का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। कलेक्टर भीम सिंह के निर्देश पर जिले के बाड़ी हितग्राहियों का आंगनबाड़ियों से लिंकेज कराया। जिसके फलस्वरूप 382 आंगनबाड़ियों द्वारा 566 बाड़ी हितग्राहियों से लगभग 103 क्विंटल सब्जियों की खरीदी की गई। इसी क्रम में विस्तार प्रदान करते हुए जिले के 9 विकासखण्डों में 60 हेक्टेयर शासकीय भूमि में सामुदायिक बाड़ी का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में 6 सामुदायिक बाड़ियों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष प्रगतिरत है। इन सामुदायिक बाड़ियों में आम, अमरूद, कटहल, नींबू, सीताफल, लीची, काजू जैसे लगभग 12 हजार 880 फलदार पौधों का रोपण किया गया है। 22 स्व-सहायता समूहों द्वारा इन रोपित पौधों के बीच बरबटी, भिंडी, कद्दू वर्गीय फसल शकरकंद, पत्तेदार साग-सब्जियों की खेती की जा रही है। जिससे नगद राशि प्राप्त किया जा सके। चूंकि आगामी 3 वर्षो के पश्चात ही इन फलदार पौधों से फसल प्राप्त का विक्रय कर आय प्राप्त कर सकते है। यही कारण है कि वर्तमान में इंटर क्रॉपिंग के माध्यम से साग-सब्जियों की खेती से उत्पादित फसल का विक्रय कर स्व-सहायता समूह की महिलाएं अच्छी आय प्राप्त कर रही है। इससे उनकी आय में वृद्धि होने से वे आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुई है। उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होने से अन्य महिलाएं भी समूह की क्रियाकलापों में रूचि दिखाने लगी है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480